

# Inhaltsverzeichnis

|  |           |
|--|-----------|
| <b>Einführung</b> .....  | <b>9</b>  |
| Ausgangspunkt und Fragestellungen .....                                  | 10        |
| <b>1 Zur islamischen Hermeneutik</b> .....                               | <b>11</b> |
| 1.1 Glaube an den einen Gott .....                                       | 16        |
| 1.2 Probleme .....   | 18        |
| <b>2 Vorstellungen einer gerechten Wirtschaftsordnung im Islam</b> ..... | <b>23</b> |
| <b>3 Koran</b> .....   | <b>29</b> |
| 3.1 Allgemeine Ethik .....   | 30        |
| 3.2 Soziale und wirtschaftliche Gerechtigkeit .....                      | 33        |
| 3.3 Armut .....  | 37        |
| 3.4 Arbeit und Care .....  | 39        |
| 3.5 Besitz, Reichtum und Eigentum .....                                  | 39        |
| 3.6 Männer und Frauen .....  | 44        |
| 3.7 Sklaven .....  | 46        |
| 3.8 Zur wirtschaftlichen Rolle des Staates .....                         | 47        |
| 3.9 Globalisierung, Welt und Menschheit .....                            | 49        |
| 3.10 Migration .....   | 50        |
| 3.11 Existenzsicherung .....   | 51        |
| 3.12 Schulden und Zinsen .....   | 54        |
| 3.13 Markt .....   | 56        |
| 3.14 Steuern .....   | 58        |

|          |  |           |
|----------|--|-----------|
| 3.15     | Finanzielle Kompetenzen von Mann und Frau .....                      | 60        |
| 3.16     | Wirtschaftliche Tugenden .....                                       | 61        |
| 3.17     | Das Endgericht als Abrechnung .....                                  | 61        |
| <b>4</b> | <b>Hadithen .....</b>  | <b>63</b> |
| 4.1      | Zur Hadith-Hermeneutik .....   | 63        |
| 4.2      | Reichtum und Wissen .....  | 65        |
| 4.3      | Armut .....  | 66        |
| 4.4      | Lebensunterhalt .....  | 66        |
| 4.5      | Steuern und Abgaben .....  | 66        |
| 4.6      | Schulden, Darlehen und Anleihen .....                                | 67        |
| 4.7      | Zins .....   | 67        |
| 4.8      | Arbeit und Lohn .....  | 68        |
| 4.9      | Markt .....  | 69        |
| 4.10     | Sklaven .....  | 70        |
| <b>5</b> | <b>Hinweise auf die islamische Klassik und das Mittelalter .....</b> | <b>71</b> |
| 5.1      | Umgang mit Armut .....   | 71        |
| 5.2      | Steuern und Abgaben .....  | 71        |
| <b>6</b> | <b>Aktueller Diskurs .....</b>                                       | <b>73</b> |
| 6.1      | Gemeinwohl .....   | 76        |
| 6.2      | Wohltätigkeit .....  | 76        |
| 6.3      | Zins .....   | 77        |
| 6.4      | Das Mudaraba-Konzept .....   | 82        |
| 6.5      | Musharaka .....  | 83        |
| 6.6      | Murabaha .....   | 83        |

|          |  |            |
|----------|--|------------|
| 6.7      | Gharar .....                             | 84         |
| 6.8      | Lohnarbeit .....                         | 85         |
| <b>7</b> | <b>Ethische Folgerungen .....</b>        | <b>87</b>  |
| 7.1      | Zweierlei Ethik? .....                   | 88         |
| 7.2      | Aktuelle Situation .....                 | 92         |
| 7.3      | Ein „liberaler Islam“ als Antwort? ..... | 94         |
|          | <b>Fazit .....</b>                       | <b>97</b>  |
|          | <b>Ausblick .....</b>                    | <b>111</b> |
|          | <b>Abkürzungen .....</b>                 | <b>113</b> |
|          | <b>Bibliografie .....</b>                | <b>115</b> |